गन्ने की पेड़ी फसल की अच्छी पैदावार कैसे लें

आमतौर पर किसान भाईयों में यह धारणा है कि पेड़ी की फसल बिना लागत की फसल है। पेड़ी फसल का हर जगह लगभग ५० प्रतिशत क्षेत्रफल होता है परन्तु ठीक से देखभाल न करने के कारण इसकी उपज कम होती है। परन्तु देखा जाय तो पेड़ी की फसल में ज्यादा पैदावार एवं चीनी की मात्रा देने की क्षमता है। पेड़ी की फसल अच्छी लेने के लिए उसकी देखभाल पहली फसल कटने के बाद से ही करनी पड़ती है। निम्नलिखित क्रियाओं के करने से पेड़ी की फसल की अच्छी पैदावार भी की जा सकती है।

- गन्ने की फसल की कटाई बिल्कुल खेत की मिट्टी की सतह से मिलाकर करना चाहिए। इससे आखों में फुटाव अच्छा होता है।
- गन्ने की उन्नतशील प्रजातियां जो पेड़ी की फसल अच्छी देती हैं। जैसे को. ९८०१४, को. ८९००३, को.जे. ८३, को.जे. ८८, को.शा. ८४३६ एवं को.शा. ८८२३० के प्रयोग से पेड़ी की फसल अच्छी होती है।
- जिस खेत में लाल सड़न, उकठा एवं कंड, अधिक लगा हो उसकी पेड़ी लेना लाभदायक नहीं है।
- अगर खेत में खाली स्थान दिखाई दे तो उसकी भराई अवश्यक करनी चाहिए। इसके लिए उस प्रजाति के गन्ने के टुकड़े खाली स्थान में बो देने चाहिए या थैलियों में तैयार पौधे वहाँ लगा देने चाहिए।
- पेड़ी की फसल में नाईट्रोजन व फासफोरस खाद की मात्रा देना बहुत आवश्यक है। कम से कम ९० कि.ग्रा. शुद्ध नाईट्रोजन एवं २०-२५ कि.ग्रा. शुद्ध फासफोरस प्रति एकड़ की दर से डालना आवश्यक है। खेद की मिट्टी की जांच के द्वारा मात्रा कम या अधिक की जा सकती है। फासफोरस खाद को प्रारम्भ में ही गन्ने की जड़ों के पास ड्रिल कर देना चाहिए। फासफोरस से पौधे की जड़े ठीक से बढ़ती हैं तथा फैलती हैं। नाईट्रोजन खाद को तीन भाग में बांट कर डालना चाहिए। पहला भाग फरवरी-मार्च, सिंचाई के साथ, दूसरा भाग अप्रैल-मई तथा तीसरी जून के अंत में देते हैं। यदि जिंक की कमी आपके क्षेत्र में हो तो १० कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति एकड़ की दर से फासफोरस के साथ देनी चाहिए।

चित्र (५)

- सूखी पत्तियों को पेड़ी की फसल की कतारों के बीच में अच्छी तरह फैला देते

हैं। इससे खरपतवार नहीं होते हैं तथा खेत में नमी बनी रहती है। निराई-गुड़ाई की आवश्यकता कम पड़ती है। सूखी पत्तियों को फैलाने के बाद सिंचाई कर देते हैं।

- पिछली फसल के कटने के बाद पहली सिंचाई तुरंत करते हैं इसके बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
- पेड़ी की फसल में कीट एवं बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है। इनका नियंत्रण समय के अनुसार करते रहना चाहिए।
- पेड़ी की फसल की लाईनों में अन्य फसलें भी ली जा सकती हैं। जैसे-

मैथी	-	पेड़ी	-	गन्ना
मंसूर	-	पेड़ी	-	गन्ना
गेहूँ	-	पेड़ी	-	गन्ना
प्याज	-	पेड़ी	-	गन्ना
मूंग	-	पेड़ी	-	गन्ना
उड़द	-	पेड़ी	-	गन्ना
लहसुन	-	पेड़ी	-	गन्ना

इसके अतिरिक्त सब्जी की फसले भी साथ में उगा सकते हैं। पेड़ी की फसल में अन्य फसलों को उगाने के लिए अतिरिक्त खाद की मात्रा फसल के अनुसार देनी चाहिए।